

प्रेषक,

बी ० आर० टम्टा,

अपर सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

समाज कल्याण उत्तराखण्ड,

हल्द्वानी—नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-३,

विषय: चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय-व्ययक में समाज सल्याण विभाग के अनुदान संख्या-15 के आयोजनागत पक्ष में अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र/छात्रों के लिए पूर्वदशम छात्रवृत्ति (75 प्रतिशत केन्द्र पोषित) की मद में प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

देहरादून: दिनांक: २९ मार्च, 2012

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-4158/स०क०/प्री०म०स्व०प्र०-33/2011-12 दिनांक 13 मार्च, 2012 के साथ संलग्न भारत सरकार के पत्र दिनांक 23 फरवरी, 2012 एवं पत्र संख्या-4416/स०क०/लेखा-बजट/पुनर्विनियोग-प्रस्ताव/2011-12 दिनांक 26 मार्च, 2012 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र/छात्राओं के लिए पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत वर्ष 2011-12 में भारत सरकार द्वारा 3103 छात्र/छात्राओं हेतु 75 प्रतिशत केन्द्रांश ₹ 42,97,923/- की स्वीकृति प्रदान की गयी है तथा पूर्व में आवंटित एड हाक ग्रान्ट को समायोजित करते हुए ₹ 19,89,923/- मात्र की धनराशि प्रशासनिक ₹ 42,554/- सहित अवमुक्त की गयी है, तत्क्रम में छात्रवृत्ति में केन्द्रांश ₹ 19,89,923/- तथा 25 प्रतिशत राज्यांश ₹ 6,48,456/- अर्थात कुल ₹ 26,38,379/- की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

2. इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त छात्रवृत्ति योजना हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय व्ययक में अनुदान संख्या-15 के “आयोजनागत” पक्ष में प्राविधानित धनराशि में से उपरोक्त प्रस्तर-01 में उल्लिखित 3103 छात्र/छात्राओं हेतु ₹ 19,22,000.00 (₹ उन्नीस लाख बाइस हजार मात्र) तथा संलग्न पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि ₹ 7,17,000/- इस प्रकार कुल धनराशि ₹ 26,39,000/- (रूपये छब्बीस लाख उनतालीस हजार मात्र) की धनराशि को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (I) उक्त धनराशि का आहरण/व्यय योजनान्तर्गत भारत सरकार दिशा-निर्देशों के अनुरूप नियमानुसार ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा तथा निर्धारित समयान्तर्गत भारत सरकार एवं शासन को उपयोगिता प्रमाण-पत्र भी प्रेषित किया जायेगा।
- (II) अवशेष धनराशि अवमुक्त/स्वीकृत किये जाने हेतु पुनर्विनियोग के माध्यम से प्रस्ताव उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
- (III) आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए, और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए। अवचनद्वय मदों में से व्यय करने से पूर्व शासन की स्वीकृति प्राप्त की जाय। योजनान्तर्गत धनराशि का आहरण/व्यय भारत

सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप नियमानुसार ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

(IV) उक्त आवंटित धनराशि किसी मद पर व्यय करने से पूर्व जिसमें वित्तीय हस्तपुस्तिका अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।

(V) किसी भी शासकीय व्यय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2008 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रहखण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम) के आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

(VI) यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में चाहें वो वेतन आदि के सम्बन्ध में हो अथवा आकर्षिक व्यय के सम्बन्ध में सम्पूर्ण मुख्य/लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी और लाल स्थान से अनुदान संख्या-15 “आयोजनागत” शब्द स्पष्ट किया जाए, अन्यथा महालेखाकार कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।

(VII) वर्णित धनराशि का समय से उपयोग करने के लिए यह भी सुनिश्चित कर लें कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए, आवंटन एवं व्यय की स्थिति से यथासमय शासन को अवगत कराया जाए।

(VIII) मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। मितव्ययता/अवचनवद्ध की मदों में व्यय करने से पूर्व वित्त विभाग की सहमति कराना सुनिश्चित करें।

(IX) अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्तपुस्तिका के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

(X) उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।

(XI) बी0एम0-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

3. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-15 के आयोजनागत पक्ष में लेखाशीर्षक-2250-अन्य सामाजिक सेवाएं-800-अन्य व्यय-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएं-0105-अल्पसंख्यक वर्ग के पूर्वदशम छात्रवृत्ति (75 प्रतिशत केन्द्र पोषित) छात्रों के मानक मद 21-छात्रवृत्तियाँ और छात्र वेतन के नामे डाला जायेगा तथा संलग्न प्रारूप बी0एम0-15 के पुनर्विनियोजन कालम-1 की बदतों से वहन किया जायेगा।

4. यह आदेश वित्त विभाग के अ0शा0 संख्या- 454(P)/XXVII(3)/2011-12 दिनांक 29 मार्च, 2012 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(बी0आर0 टम्टा)  
अपर सचिव।

पुष्टाकन संख्या: २४। (1)/XVII-3/2012-07(38)/2008, तददिनांक।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1. निजी सचिव, मा० मुख्यमन्त्री, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मा० समाज कल्याण मंत्री, उत्तराखण्ड।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. मण्डलायुक्त, गढ़वाल/कुमाऊ, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हल्द्वानी-नैनीताल, उत्तराखण्ड।
8. समस्त जिला समाज कल्याण, अधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. सचिव, उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक आयोग, देहरादून।
10. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
11. अवर सचिव, भारत सरकार, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय नई दिल्ली को उनके पत्र संख्या 11/21/2011-पी.पी.(पी.पी.आर.) दिनांक 23 फरवरी, 2011 के क्रम में सूचनार्थ प्रेषित।
12. बजट, राजकोषीय नियोजन व संसाधन नि०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, सचिवालय परिसर, देहरादून।
14. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
15. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,

✓

(बी०आर० टम्टा)

अपर सचिव।